सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 147 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 5 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सभी भुगतान युक्त नौकरियां दिमाग को अवशोषित और अयोग्य बनाती हैं।
-अरस्तु

भाजपा में जाने की अटकलों को जयंत... 7 | भाजपा से जुड़ते ही धुल जाते हैं... 3 | सियासी हलचल के बीच केसीआर और... 2

एनसीपी में टूट के बाद अब चाचा भतीजे में ताकत दिखाने की बारी

» पूरे दिन जारी रहा अलग-अलग बैठकों का सिलसिला

» शरद पवार व अजित पवार दोनों ने कल बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अजित पवार समेत कई विधायकों के महाराष्ट्र की भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद अब एनसीपी में भी शिवसेना की तरह दो फाड़ की स्थिति आ गई है। कभी शरद पवार के इशारे पर चलने वाली एनसीपी अब दो गुटों में बंट गई है। एक ओर पार्टी के संस्थापक शरद पवार हैं, तो दूसरी ओर उनके भतीजे अजित पवार अपने कुछ विधायकों के साथ पार्टी में बगावत कर चुके हैं।

महाराष्ट्र में इस सियासी उलटफेर और एनसीपी के टूट के बाद एक ओर जहां चाचा और भतीजे दोनों अपनी अलग-अलग ताकत दिखा रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर आज पूरे दिन अलग-अलग बैठकों का सिलसिला भी जारी रहा।

चाचा-भतीजे दोनों ने अपनी ताकत दिखाने के लिए कल यानी बुधवार को अलग-अलग बैठक बुलाई हैं। तो वहीं चाचा शरद पवार से अलग होने के बाद अजित पवार ने आज एनसीपी के नए कार्यालय का भी उद्घाटन किया। अजित ने आज मुंबई में मंत्रालय के सामने अपने नए पार्टी दफ्तर का ऐलान किया और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कैबिनेट मीटिंग में भी शामिल हुए।

अजित पवार ने कल बुलाई बैठक

अजित पवार ने सभी एनसीपी सांसदों, विधायकों, विधानसभा परिषद के सदस्यों, पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं को पहले आज बांद्रा के एमईटी पहुंचने को कहा, जहां उन्होंने बैठक की। इसके बाद नवनियुक्त डिप्टी सीएम अजित पवार ने सभी एनसीपी सांसदों, विधायकों, एमएलसी, जिला प्रमुखों और राज्य प्रतिनिधियों को 5 जुलाई को एमईटी बांद्रा में एक बैठक के लिए आने के लिए कहा है। अजित पवार खेमे के एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने दावा किया है कि उनके पास विधायकों के भरपूर नंबर हैं। तो वहीं अजित पवार सरकार में शामिल होने के बाद महाराष्ट्र कैबिनेट की आज पहली बैठक में भी शामिल।

शरद पवार भी करेंगे बैठक

दूसरी ओर अपनी ताकत दिखाने के लिए शरद पवार ने भी मंगलवार को वाईबी चव्हाण सेंटर यानी एनसीपी दफ्तर में पार्टी की मीटिंग की। इसमें कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले मौजूद रहीं। वहीं शरद पवार ने भी कल यानी बुधवार को भी यहीं एक और मीटिंग बुलाई है। एनसीपी के दोनों गुटों के अलावा शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेस ने भी बैठकें बुलाईं।

शिवसेना (यूबीटी) महा विकास अघाड़ी के साथ

दूसरी ओर उद्धव ठाकरे ने भी अपनी पार्टी के लोगों की एक बैठक बुलाई। इस बैठक में यह फैसला लिया गया कि शिवसेना (यूबीटी) महा विकास अघाडी के साथ बरकरार रहेगी। इस बैठक में महाराष्ट्र के वर्तमान सियासी घटनाक्रम के अलावा महा विकास अघाड़ी के भविष्य और चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई।

नेता प्रतिपक्ष का पद चाहती है कांग्रेस

बैठकों के बीच महाराष्ट्र विधानभवन के कांग्रेस दफ़्तर में भी कांग्रेस ने एक बैठक की। जिसमें नेता प्रतिपक्ष के मामले पर चर्चा हुई। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि जिस दल के ज़्यादा विधायक उनका विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, ये स्पष्ट है। जाहिर है कि कांग्रेस के सबसे ज़्यादा विधायक हैं। तो वहीं महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता बालासाहेब थोराट ने भी कहा कि विपक्ष का नेता उस पार्टी से होगा, जिसके पास सबसे ज्यादा विधायक होंगे। हम (एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट) बीजेपी के खिलाफ मिलकर लड़ेंगे। महा विकास अघाड़ी एकजुट है और राज्य के लोग हमारे साथ हैं।

राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से मिली राहत

» कोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मानहानि मामले में मुश्किलों का सामना कर रहे कांग्रेस के डिस्क्वालिफाइड सांसद राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से आज एक बड़ी राहत मिली है। झारखंड हाईकोर्ट ने आज इस मामले में सुनवाई करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर फिलहाल रोक लगा दी है। हाईकोर्ट अब 16 अगस्त को इस मामले में सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने साल 2019 में कर्नाटक में जनसभा के दौरान अपने एक बयान में कहा था कि 'सभी चोरों का सरनेम मोदी ही क्यों है?' राहुल गांधी के बयान के बाद उनके खिलाफ देश में अलग-अलग जगह मानहानि के मुकदमे दर्ज हुए थे।

आज राहुल के मामले पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका दायर करने वाले प्रदीप मोदी को जवाब पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने राहुल गांधी को राहत देते हुए अगली सुनवाई तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

मानहानि मामला

गुजरात में भी दर्ज है मामला जा चुकी है सदस्यता

बता दें कि इसी मामले को लेकर गुजरात में भी राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिसमें सूरत सेशन कोर्ट से उन्हें दो साल की सजा मिल चुकी है। इसी के चलते जनप्रतिनिधि कानून के तहत राहुल गांधी की संसद सदस्यता भी जा चुकी है। जिसके बाद उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट का रुख किया है। वहीं रांची में भाजपा नेता प्रदीप मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रही थी। एमपी एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत के इस फैसले को राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले में आज हाईकोर्ट ने सुनवाई की। फिलहाल अब एक जगह तो राहुल को राहत मिल चुकी है।

सियासी हलचल के बीच केसीआर और अखिलेश की हुई मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। महाराष्ट्र में हुए सियासी उलटफेर के बाद देश की सियासत गरमा गई है। इस उठापटक से जहां एक तरफ विपक्षी दलों की एकजुटता को लेकर भी कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा को टक्कर देने की विपक्ष की रणनीति को भी जोरदार झटका लगता दिख रहा है। इस बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के बीच हुई मुलाकात ने देश की सियासत को और भी गरमा दिया है।

दोनों नेताओं के बीच राष्ट्रीय राजनीति और मुद्दों पर चर्चा हुई। राव ने अपने कैंप कार्यालय एवं आधिकारिक आवास, प्रगति भवन में दोपहर के भोजन पर अखिलेश की मेजबानी की। हालांकि, दोनों नेताओं के बीच चर्चा के ब्योरे को लेकर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बीआरएस प्रमुख के साथ मुलाकात से सपा नेता ने कहा कि सभी विपक्षी दलों का लक्ष्य यह है कि भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल किया जाए। राव और अखिलेश के बीच मुलाकात इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि यह हाल में पटना में विपक्षी नेताओं की बैठक की पृष्ठभूमि में हुई है। बता दें कि राव और उनकी पार्टी बीआरएस ने पिछले महीने पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। इससे पहले, तेलंगाना के पशुपालन मंत्री टी श्रीनिवास यादव और अन्य बीआरएस नेताओं ने अखिलेश का स्वागत किया।

सपा प्रमुख ने कहा- भाजपा को हराने के लिए पूरा विपक्ष है एकजुट

अखिलेश ने मुलाकात को दिया विपक्षी एकजुटता का नाम

इस मुलाकात की तस्वीरें सपा प्रमुख ने अपने अधिकारिक ट्विटर अकाउंट से शेयर की। अखिलेश यादव ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि एक मुलाकात भाजपा को हराने के स्पष्ट लक्ष्य के लिए एकजुटता के नाम। सूत्रों की मानें तो दोनों नेताओं के बीच विपक्षी गठबंधन के तमाम पहलुओं पर भी चर्चा हुई है। दरअसल, अखिलेश यादव ने बीते दिनों मांग रखी थी कि जिस राज्य में जो पार्टी मजबूत है, उसे वहां ज्यादा से ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने दिया जाए।

भाजपा नेता ने बीआरएस में भी टूट का किया था दावा

इससे पूर्व केसीआर से मुलाकात को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक है कि हम सबको मिलकर भाजपा को हटाना है। दरअसल महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी में हुई टूट के बाद बीजेपी के एक मंत्री ने दावा किया है कि केसीआर की पार्टी बीआरएस और आरजेडी के कई नेता भी बीजेपी के संपर्क में हैं। ऐसे में ये मुलाकात और भी अहम हो जाती है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव लगातार बीजेपी के खिलाफ एक मजबूत गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसे लेकर वो कई बड़े विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात भी कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष की केसीआर के साथ इस मुलाकात को भी विपक्षी एकता को मजबूत करने की कवायद के तौर पर ही देखा जा रहा है।

बुद्ध की शिक्षाओं से सीख लें युवा : राष्ट्रपति मुर्मू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं से खुद को सशक्त बनाने और समाज में सकारात्मक प्रभाव लाने के लिए भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से सीख लेने का आह्वान किया। बौद्धों के दूसरे सबसे पवित्र दिन आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भगवान बुद्ध की तीन शिक्षाओं-शील, सदाचार और प्रज्ञा-का पालन करके युवा पीढ़ी खुद को सशक्त बना सकती है और समाज में सकारात्मक प्रभाव ला सकती है।

उन्होंने कहा, कि आषाढ़ पूर्णिमा पर हम भगवान बुद्ध के धम्म से परिचित हुए, जो न केवल हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन की एक अनिवार्य विशेषता भी है। मुर्मू ने कहा कि बुद्ध के धम्म से वाकिफ होने के लिए हमें शाक्यमुनि द्वारा सारनाथ की पवित्र भूमि पर दिए गए प्रथम उपदेश को जानना और समझना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (आईबीसी) ने किया था। संस्कृति और विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने अपने संबोधन में एक सामान्य व्यक्ति की बोधिसत्व के स्तर को प्राप्त करने की यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने मूल्यों से जुड़े हुए हैं, फिर भी हम अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं। सही कार्य हमारे भाग्य को बदल सकते हैं। राष्ट्रपति ने सोमवार को कर्नाटक के राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के सदस्यों, विशेषकर महिलाओं को शिक्षा का महत्व भी समझाया।

देश महंगाई की मार झेल रहा और सरकार ध्यान भटकाने में लगी

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- सब्जियों के बढ़ते दाम ने जनता की तोड़ी कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने सोमवार को बढ़ती महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सहित पूरा देश बुरी तरह से महंगाई की मार झेल रहा है, जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित पूरी सरकार लोगों का ध्यान भटकाने में लगी है। खाबरी ने कहा कि लोगों के रसोई में आग लगी हुई है, सरकार आम जनमानस को अन्य मुद्दों पर उलझाकर चुनावी बिसात बिछाने में मशगूल है।

खाबरी ने कहा कि सब्जियों के दाम जिस तरह से एक सप्ताह के अंदर कई गुना बढ़ गये, उससे जनता की कमर टूट गई है। जो टमाटर 20-25 रुपये प्रति किलोग्राम मिलता था, वह आज 150 रुपये के आसपास है। उन्होंने कहा कि सब्जियों के साथ-साथ दालें, चीनी, मसाले एवं सरसों के तेल के दाम में भी बेतहाशा उछाल है। जीरा, लहसुन, हल्दी, लालमिर्च सहित लगभग सभी मसाले आम आदमी की पकड़ से बाहर हैं।

पटेल सिर्फ पर्चा भरकर सांसद बन जाते थे: पवार

» प्रफुल्ल पटेल और सांसद सुनील तटकरे को राकांपा से बगावत करने के चलते पार्टी से किया गया बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को प्रफुल्ल पटेल पर निशाना साधते हुए कहा कि पटेल भाग्यशाली थे, जो किसी चुनाव का सामना किए बगैर महज पर्चा भरकर सांसद निर्वाचित हो जाते थे। पटेल को राकांपा से बगावत करने वाले अजित पवार का साथ देने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

उनके साथ-साथ सांसद सुनील तटकरे को भी पार्टी अध्यक्ष के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने और गलत रास्ते पर चलने के आरोप में राकांपा से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पटेल राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष और तटकरे महासचिव पद पर काबिज थे। पवार ने कहा, हमारे सभी विधायकों और सांसदों (बगावत करने वाले कुछ नेताओं की तरफ भी इशारा करते हुए) ने निर्वाचित होने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की है। वे लोगों के बीच जाते हैं और काम करते हैं, लेकिन प्रफुल्ल पटेल एक भाग्यशाली सहयोगी हैं, जो सिर्फ पर्चा भरकर सांसद बन जाते हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि इन विधायकों को पटेल चुनने के लिए जाकर वोट डालने की जरूरत नहीं है। वह निर्विरोध निर्वाचित हो जाते हैं और चुनाव संबंधी कोई खर्च भी नहीं होता। पवार ने कहा कि पटेल खुशकिस्मत हैं, क्योंकि उन्हें आसानी से सांसद बनने का मौका मिल जाता है। यह पूछे जाने पर कि क्या पटेल ने उनसे मिलने की इच्छा जताई है, लेकिन वह अपने रुख पर अडिग हैं, पवार ने कहा कि पटेल के पास कोई भी रुख अपनाने का अधिकार है।

अंतिम निर्णय चुनाव में मतदाता ही करते हैं

उन्होंने कहा कि बिल्कुल नहीं। मेरा अनुभव बताता है कि जब भी ऐसे हालात पनपते हैं, तब अंतिम निर्णय चुनाव में आम मतदाता ही करते हैं। मुझे उन पर भरोसा है। पवार ने कहा कि वह राकांपा के युवा कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करना चाहते हैं कि पार्टी के ताजा घटनाक्रम से निराश न हों। उन्होंने कहा कि पुणे से सतारा तक अपनी यात्रा के दौरान, मैंने बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं, खासकर युवाओं को मेरा इंतजार करते और समर्थन देते देखा।

सरकार पार्टियां तोड़ने में व्यस्त : खड़गे

» बोले- सेना के लिए पैसा नहीं, आर्म्ड फोर्स में 2 लाख से ज्यादा पद पड़े खाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार के पास राजनीतिक दलों को तोड़ने के लिए हर समय है, लेकिन आर्म्ड फोर्सेस में खाली पड़े अहम पदों को भरने का समय नहीं है। खड़गे ने कहा कि सेना में मेजर और कैप्टन स्तर पर अधिकारियों की कमी है। सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 2 लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। रोजाना राष्ट्रवाद का ढिंढोरा पीटने वाले लोगों ने जवानों के साथ ऐसा विश्वासघात किया है, जो पहले कभी नहीं हुआ।

खड़गे ने ट्विटर पर राज्यसभा के हवाले से आर्म्ड फोर्स में खाली पदों के आंकड़े शेयर किए हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- सरकार की अग्निपथ योजना इस बात का सबूत है कि उनके पास सैनिकों के लिए पैसे नहीं हैं। मोदी सरकार ने वन रैंक, वन पेंशन को लागू करने को लेकर रक्षा बलों के साथ विश्वासघात किया।

मोदी सरकार और भाजपा के लिए राष्ट्र की सुरक्षा प्राथमिकता नहीं है, उनकी प्राथमिकता जनादेश के साथ विश्वासघात करना है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार पर सैनिकों की भर्ती न करने का आरोप लगाते हुए ये यह डेटा ट्विटर पर शेयर किया है।

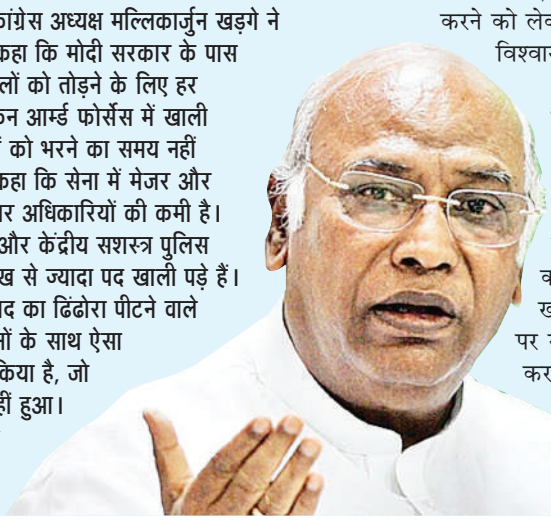

कांग्रेस अध्यक्ष ने आंकड़े जारी कर साधा निशाना

इंडियन एक्सप्रेस ने भी 3 जुलाई को इससे जुड़ी एक रिपोर्ट प्रकाशित की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना में आर्मी मेडिकल कोर और आर्मी डेंटल कोर समेत 8,129 अधिकारियों की कमी है। इसी तरह नौसेना में 1,653 और भारतीय वायु सेना में 721 अधिकारियों की कमी है। सेना की यूनिट्स में अधिकारियों की कमी को पूरा करने के लिए सरकार विभिन्न मुख्यालयों में स्टाफ अधिकारियों की पोस्टिंग को कम करने की प्लानिंग कर रही है। वहीं, मेजर और कैप्टन जैसे पदों पर पहले रह चुके अधिकारियों को उन पदों पर तैनात करने की तैयारी कर रही है। अब बात करते हैं कि मोदी सरकार में सेना में कितनी भर्तियां हुईं। भारतीय रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत सरकार ने पिछले सात सालों (2013-2019) में हर साल औसतन 60 हजार जवानों की भर्तियां कीं। 21 मार्च 2022 को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया था कि कोरोना की वजह से भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई थी। उन्होंने बताया कि साल 2018-19 में 53,431 और 2019-20 में 80,572 सैनिकों की भर्ती की हुई। रक्षा मंत्रालय और रक्षा मंत्री के आंकड़ों के मुताबिक देश में मोदी सरकार आने के बाद (2014-2020) सेना में 3,54,714 सैनिकों की भर्तियां हुईं। केंद्रीय रक्षा मंत्री (राज्य प्रभार) अजय भट्ट ने उच्च सदन में बताया था कि साल 2020-21 में 97 भर्तियां आयोजित करने का प्लान था, जिनमें से सिर्फ 47 भर्तियां आयोजित हुईं। इन 47 भर्ती रैलियों में से सिर्फ चार रैलियों के लिए कॉमन एंट्रेंस एग्जाम आयोजित किया जा सका। वहीं, 2021-22 में 87 रैलियां आयोजित करने की योजना थी, जिनमें से सिर्फ चार रैलियां आयोजित हो पाईं। इनमें से किसी भी रैली के लिए कॉमन एंटरेंस एग्जाम नहीं हो पाया।

भाजपा से जुड़ते ही धुल जाते हैं सभी भ्रष्टाचार और घोटालों में सने दाग

» एनसीपी से भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल होने वाले सभी मंत्री हैं दागी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रविवार को महाराष्ट्र में एक बड़ा सियासी घटनाक्रम देखने को मिला। जिसने महाराष्ट्र समेत पूरे देश की राजनीति में हलचल मचा दी। महाराष्ट्र के इस घटनाक्रम के कई सियासी मायने निकल रहे हैं। एक ओर जहां एनसीपी में दोफाड़ से एनसीपी और महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है, तो वहीं दूसरी ओर एकनाथ शिंदे के लिए भी अजित पवार का सरकार में शामिल होना उन पर दबाव बना गया। वहीं इस घटनाक्रम से एक बार फिर ये सवाल भी उठने लगे कि क्या वाकई में भाजपा या उसके समर्थन में जाने पर नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप खत्म हो जाते हैं और वो सभी नेता भ्रष्टाटार या घोटालों के दाग से साफ हो जाते हैं।

यही वजह है कि अब एक बार फिर भाजपा की वॉशिंग मशीन चर्चा में आ गई है। क्योंकि अभी कुछ दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छाती ठोककर विपक्ष की भ्रष्टाचारी पार्टियों के नाम गिनवा रहे थे और बता रहे थे किसने कितने का भ्रष्टाचार किया है। उनकी इस फेहरिस्त में उन्होंने एनसीपी का भी नाम लिया था। और बताया था कि एनसीपी पर करीब-करीब 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप है। इसमें उन्होंने अलग-अलग घोटालों के नाम भी गिनवाए थे। महाराष्ट्र सदन घोटाला, सिंचाई घोटाला, अवैध खनन घोटाला, जैसे तमाम घोटालों का भी जिक्र किया था। पीएम मोदी ने ये जो घोटाले गिनवाए थे इनमें अजित पवार का भी नाम शामिल है। जिन्होंने रविवार को भाजपा के समर्थन वाली सरकार में ही उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके अलावा छगन भुजवल, दिलीप वलसे पाटिल, हसन मुश्रीफ और अदिती तटकरे जो सुनील तटकरे की बेटी हैं। ये सभी वो नाम हैं जो महाराष्ट्र के घोटालों और भ्रष्टाचारों में शामिल रहे हैं। और इन सब पर ही भाजपा ने ईडी या सीबीआई के जरिए जांच कराई है। यानी ये सब भ्रष्टाचारी हैं। लेकिन रविवार को जब इन सभी ने अजित पवार के साथ भाजपा समर्थित सरकार में शपथ ले ली, तो ये सभी दूध के धुले हो गए। इससे ये भी साफ होता है कि अजित पवार समेत एनसीपी के इन बाकी दिग्गजों ने क्यों शरद पवार का साथ छोड़कर भाजपा-शिंदे सरकार का दामन थामा।

भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल होने वाले कोई नहीं दूध के धुले

इसके अलावा दूसरे नंबर पर शपथ लेने वाले एनसीपी के दिग्गज नेता छगन भुजवल पर भी भ्रष्टाचार का दाग काफी गहरा है। आपको जानकर हैरानी होगी कि छगन भुजवल तो एक तरह से अभी जेल में होने चाहिए थे। क्योंकि महाराष्ट्र सदन घोटाले में शामिल होने के अलावा उनपर इकोनॉमिक ऑफेंस और अलग-अलग कई घोटालों के आरोप लगे हैं। जिनपर मामला चल भी रहा है। यही नहीं खुद प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह 2014 और 2019 में छगन भुजवल को सरेआम रैलियों में बहुत बड़ा घोटालेबाज और न जाने क्या-क्या कहा करते थे। लेकिन अब वो दूध के धुले हो गए हैं। तभी तो अजित पवार के बाद दूसरे नंबर पर उन्होंने ही मंत्रिपद की शपथ ली। इस फेहरिस्त में अगला नंबर है दिलीप वलसे पाटिल। इन्होंने भी उस दिन मंत्रिपद की शपथ ली। दिलीप वलसे के खिलाफ भी कुछ फाइलें निकल कर सामने आ चुकी हैं। लेकिन अब वो सभी फाइलें दबा दी जाएंगी। वहीं इस फेहरिस्त में एक नाम शामिल है हसन मुश्रीफ का। हसन मुश्रीफ भी जांच का सामना कर चुके हैं। और शुगर मिल व महाराष्ट्र स्टेट कॉपरेटिव स्कैम जैसे मामलों में इनका नाम तेजी से शामिल है। और संभव ये भी है कि अगर मुश्रीफ साहेब मंत्रिपद की शपथ न लेते तो संभवत: जेल की हवा खाते। इसलिए अब वो भाजपा समर्थित सरकार में मंत्री बन गए हैं और पूरी तरह से पाक साफ हो गए हैं। एनसीपी के बागी नेताओं में अगला नाम आता है अदिती तटकरे का। जो भाजपा-शिंदे सरकार में एकमात्र महिला मंत्री बनी हैं। अदिति एनसीपी के नेता व वर्तमान समय में पार्टी के कोषाध्यक्ष सनील तटकरे की बेटी हैं और सुनील तटकरे पर भी भ्रष्टाचार की तलवार लटकती रही है।

कई घोटालों में शामिल है अजित पवार का नाम

अगर एनीसीपी के ही उन नेताओं की बात करें जिन्होंने भाजपा समर्थित सरकार में उपमुख्यमंत्री व मंत्री पद की शपथ ली। तो उनमें पहला नाम आता है उपमुख्यमंत्री बनने का सबसे ज्यादा अनुभव रखने वाले अजित पवार का। भाजपा में जाकर धुले अजित पवार का नाम 25 हजार करोड़ के महाराष्ट्र स्टेट कॉपरेटिव स्कैम में शामिल है। इस मामले में ईडी भी उनसे पूछताछ तक कर चुकी है। इसके अलावा सिंचाई घोटाले में भी अजित पवार का नाम शामिल किया गया था। लेकिन अब अजित पवार पाक साफ हो चुके हैं।

ये नेता भी भाजपा में जाकर बने पाक साफ

वैसे ये तो सिर्फ वो कुछ नाम हैं जिन्होंने अपने दागों को धुलने के लिए और खुद पर कार्रवाई होने से बचने के लिए रविवार को भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल होकर मंत्री पद की शपथ ली। लेकिन भाजपा में ऐसे भ्रष्टाचारियों की लिस्ट लंबी है जो या तो दूसरे दल से आकर भाजपा में शामिल हो कर दूध के धुले बन गए और उनकी फाइलें बंद हो गईं। या फिर भाजपा में होने के नाते उनका भ्रष्टाचार व घोटाला उन्हें भ्रष्टाचारी नहीं बनाता है। और वो बड़ी शान से भाजपा के दिग्गज और मुख्यमंत्री तक बने बैठे हैं। ऐसे कुछ और नामों पर अगर नजर डालें तो उनमें असम के मुख्यमंत्री और आजकल भाजपा के फायरब्रांड नेताओं में गिने जाने वाले हिमंत बिस्वा सरमा का नाम भी शामिल है। तो वहीं देश के सबसे बड़े भर्ती घोटाले में शामिल मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी भाजपा में होने का ही फायदा मिला है। इस फेहरिस्त में एक और बड़ा नाम शामिल है कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के सीनियर लीडर बीएस येदियुरप्पा का भी है। येदियुरप्पा के भी हाथ भ्रष्टाचार के दलदल में सने हुए हैं। येदियुरप्पा पर 2011 में 40 करोड़ रुपए लेकर अवैध खनन को शह देने का आरोप लगा था। इनके अलावा शुभेंदु अधिकारी और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे शिवसेना और कांग्रेस का साथ दे चुके नारायण राणे जैसे और भी कई नेता इस लिस्ट में शामिल हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महाराष्ट्र में असल फायदा किसको?

महाराष्ट्र में हुए सियासी उलटफेर के बाद पूरे देश की राजनीति में हलचल मची हुई है। इस सियासी घटनाक्रम के बाद से अब इसके कई राजनीतिक संकेत निकाले जा रहे हैं। क्योंकि एक ओर जहां इस घटनाक्रम को एनसीपी और महा विकास अघाड़ी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, तो वहीं दूसरी ओर एकनाथ शिंदे के लिए भी अजित पवार का सरकार में शामिल होना उन पर दबाव बना गया। क्योंकि इसमें कोई शक नहीं कि अगर अजित पवार के दावों में दम है और उनके पास 40 के करीब विधायक हैं, तो भाजपा के लिए शिंदे ज्यादा महत्वपूर्ण भी नहीं। लेकिन अजित के दावे पर शक इसलिए हो रहा है कि अभी उन्हें उप मुख्यमंत्री बने तीन दिन ही बीते हैं और उनके खेमे के विधायकों व सांसदों ने वापस शरद पवार के साथ जाना शुरू कर दिया है। ऐसे में अभी भाजपा भी अजित को लेकर असमंजस में है।

वहीं इस पूरे घटनाक्रम से एक सवाल ये भी उठ रहा है कि आखिर इस सियासी उलटफेर का असल में फायदा हुआ किसे? क्योंकि अगर अजित पवार के दावों में दम है,तब तो वो भाजपा के काम के हैं। क्योंकि उस परिस्थिति में शिंदे गुट के विधायकों के अयोग्य घोषित होने के बाद अजित पवार भाजपा का सहारा बनेंगे और देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के सीएम। लेकिन अगर कहीं अजित के दावे खोखले निकले और शिंदे के विधायक भी अयोग्य घोषित हो गए, तो भाजपा सिर्फ हाथ मलते रह जाएगी। लेकिन दूसरी ओर एनसीपी का भी हश्र शिवसेना वाला हो जाएगा और ऐसे में 84 साल की आयु को पूरा कर चुके अपने राजनीतिक ढलान पर खड़े शरद पवार के लिए फिर से एनसीपी को उसी मजबूती से खड़ा करना काफी मुश्किल होगा। यानी महाराष्ट्र की जो दो बड़ी क्षेत्रीय पार्टियां थीं, वो दोनों ही पिछले एक साल के अंदर पूरी तरह से बिखर गई हैं। जिसका सीधा फायदा दोनों राष्ट्रीय पार्टियों भाजपा और कांग्रेस को मिलेगा। वहीं कांग्रेस तो अब महा विकास अघाड़ी में सबसे मजबूत स्थिति में भी खड़ी है। तभी वो नेता प्रतिपक्ष के पद पर अब अड़ गई है। क्योंकि कांग्रेस ये अच्छे से जानती है कि टूटने के बाद न तो शिवसेना उतनी मजबूत बचेगी और न ही एनसीपी। ऐसे में भविष्य अगर किसी का है तो वो भाजपा और कांग्रेस ही हैं। दूसरे कांग्रेस को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से जो बूस्टर मिला है, वो अभी भी उसके काम आ रहा है। दूसरी ओर भाजपा की हालत महाराष्ट्र में डाउन ही होगी, क्योंकि महाराष्ट्र में भाजपा अंतरकलह से भी जूझ रही है। यानी साफ है कि एनसीपी में टूटकर भाजपा ने अपनी इस रणनीति से खुद को तो फायदा पहुंचाया ही साथ ही कांग्रेस का भी भला कर दिया है। क्योंकि अब महाराष्ट्र में भी कांग्रेस मजबूत हो रही है और साथ-साथ केंद्र की राजनीति में भी कांग्रेस राहुल गांधी के कंधों पर बैठकर निरंतर मजबूती की ओर कदम बढ़ा रही है।

संजय

महाराष्ट्र के इस सियासी घटनाक्रम के बाद से अब इसके कई राजनीतिक संकेत निकाले जा रहे हैं। क्योंकि एक ओर जहां इस घटनाक्रम को एनसीपी और महा विकास अघाड़ी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि एनसीपी में दोफाड़ हो गया है। इससे महाविकास अघाड़ी और विपक्षी एकता को भी झटका लगा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बिखरा विपक्ष और समान नागरिक संहिता

राजेश रामचंद्रन

अब जबकि आगामी लोकसभा चुनाव में महज नौ महीने बाकी हैं, विपक्ष में एकता के आसार बनने से पहले ही बिखराव दिख गया है। दोहरे मानदंड और बोल राजनीति की पहचान बन चुके हैं और यही कुछ पटना में अपनी राजनीतिक किस्मत फिर बनाने के लिए एकत्र खिलाड़ियों के जमावड़े में देखने को मिला। जब 23 जून को विपक्षी एकता बनाने के महासम्मेलन में मार्क्सवादी पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ गर्मजोशी से मंचासीन थे ठीक उसी दिन देश की एकमात्र सत्तासीन मार्क्सवादी सरकार ने केरल में कांग्रेस के प्रदेश प्रधान को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय के आदेश के बाद ही छोड़ा।

मानो घोटाला-ग्रस्त केरल की मार्क्सवादी सरकार ऐसा करके भाजपा के चोटी के नेतृत्व को विपक्षी एकता को पटरी से उतारने का संकेत दे रही हो। इसी बीच, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच दिल्ली अध्यादेश पर गतिरोध बरकरार है। वहीं अब, पंजाब में राज्य कांग्रेस ने 'आप' को आरएसएस-भाजपा की 'बी टीम' करार दिया है। पिछले नौ सालों में जनता के बीच 'नरेंद्र मोदी फिर से' का जादू काफी कमजोर पड़ा है। यदि कर्नाटक विधान सभा चुनाव परिणामों की तुलना 2018 में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को स्थानीय मुद्दों पर मिली हार से की जाये, तो यह तथ्य है कि देश के कई हिस्सों और केंद्र सरकार में भाजपा शिथिल पड़ी है। पिछले एक दशक से बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के परिप्रेक्ष्य में इस बार मोदी के लिए अपनी गद्दी बरकरार रखना आसान नहीं होगा। हिंदुत्व का नारा पश्चिमी जगत द्वारा भारतीयों को सांप्रदायिकता में रंगने की हरचंद कोशिशों के बावजूद घटिया जीवन स्तर से पैदा जनाक्रोश को कम करने का उपाय नहीं रहा। यह माहौल वह बढ़िया जमीन पेश करता है, जिसमें विपक्ष को भाजपा से सत्ता छीनने के लिए एकता का हल चलाना चाहिये था।

लेकिन भारत के मौजूदा विपक्ष में संरचनात्मक समस्या है, जो विभिन्न दलों की एकजुटता में बाधा है। कभी अपने अच्छे दिनों में देशभर पर राज कर रही कांग्रेस का सामना करना आसान था, मसलन, 1989 का आम चुनाव। उस वक्त कांग्रेस का निर्विवादित शासन कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक था। देश के कई

हिस्सों में कांग्रेस विरोधी गठजोड़ का प्रत्येक घटक अपने-अपने इलाके में प्रभावी था, इससे एकजुटता आसान बन सकी। मसलन, पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा में कुल मिलाकर 64 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस के सामने एकमात्र विपक्ष के रूप में वाम मोर्चा था। इसी तरह 42 सांसदों वाले संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के सम्मुख केवल तेलुगू देशम पार्टी की चुनौती थी, वहीं 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना गठजोड़ कांग्रेस का मुख्य विरोधी था, हिंदी पट्टी में लोहियावादी जनता परिवार में हालांकि सदा आपसी खींचतान रही, लेकिन संघ परिवार के साथ मिलकर कांग्रेस के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाकर सत्ता बनाने में सफल रहे। किंतु आज की तारीख में, यह स्थिति भाजपा-विरोधी विपक्षी दलों के साथ नहीं है, वे देश में एक-एक इंच राजनीतिक जमीन पाने के लिए आपस में भिड़ते रहते हैं। यहां अगर पश्चिम बंगाल को बतौर उदाहरण लें तो मार्क्सवादियों का सफाया करके सत्ता हासिल करने से पहले, कांग्रेस को खत्म करके तृणमूल कांग्रेस ने खुद को मुख्य विरोधी दल के रूप में स्थापित किया। आज भी, वामदल और कांग्रेस ममता बनर्जी के साथ आने को राजी नहीं। इसलिए, ममता के लिए राजनीतिक रूप से ऐसी कोई वजह नहीं कि वे राहुल का बतौर अगला प्रधानमंत्री अभिषेक करें। यही मामला केरल के वामदलों का है। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर बड़े-बड़े लाछनों के बावजूद, बहुत उदारता से बर्ताव करती है। सर्वोच्च न्यायालय ने विजयन के खिलाफ सीबीआई द्वारा दायर मुकद्दमों की सुनवाई अप्रैल माह में 33वीं बार अगली तारीख तक स्थगित कर दी है। कल्पना करें कि क्या सीबीआई किसी अन्य विपक्षी नेता को इतनी छूट देगी। तर्क एकदम सरल है, केरल में भाजपा और मार्क्सवादियों की साझा दुश्मन है कांग्रेस पार्टी।

महाराष्ट्र में, सत्तारूढ़ गठबंधन लोगों के साथ राबता रखने में ढुलमुल है और लगता है इसका फायदा लेकर पवार काफी कुछ हासिल कर लेंगे। यह महाराष्ट्र और बिहार ही हैं, जहां विपक्षी एकता की बात कर सकते हैं। लेकिन फिर, ऐसा कोई करार नहीं है जिसे तोड़ा न जा सके।

अनुकम्पा नहीं स्वावलंबन की राह चुनें

सुरेश सेठ

भारत के प्रमुख आर्थिक क्षेत्र कृषि में भी अधिकांश किसान दो से पांच एकड़ जमीन पर ही खेती करते हैं। भारतीय किसान आज भी जीवन निर्वाह खेती पर टिके हैं। वहीं बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के आंकड़े आम आदमी की परेशानी को दर्शाते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भारत का मौसम जो पहले खेतीबाड़ी के लिए जुआ था, वह आर्थिक परिदृश्य में भी अनिश्चितता है।

बदलते आर्थिक माहौल में भारत तीसरी दुनिया के देशों में अधिक महत्वपूर्ण हुआ है। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों के लिए एक बहुत बड़ा बाजार बनकर उभरा है। इस समय विश्व मंदी के कुप्रभावों से भारत बच निकला है। विकास दर दुनिया में सर्वाधिक है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। लेकिन इसके बावजूद समाज में आर्थिक विषमता है। भारत के प्रमुख आर्थिक क्षेत्र कृषि में भी अधिकांश किसान दो से पांच एकड़ जमीन पर ही खेती करते हैं। भारतीय किसान आज भी जीवन निर्वाह खेती पर टिके हैं। वहीं बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के आंकड़े आम आदमी की परेशानी को दर्शाते हैं। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भारत का मौसम जो पहले खेतीबाड़ी के लिए जुआ था, वह आर्थिक परिदृश्य में भी अनिश्चितता है। भारत के स्टार्टअप उद्योग तरक्की के लिहाज से उम्मीदों के अनुरूप तस्वीर पेश नहीं कर रहे हैं। एक ओर हमारे नारे हैं कि हम भारत को डिजिटल बनाएंगे, उसकी इंटरनेट शक्ति से दुनियाभर को अपने करीब कर चुके हैं। शिक्षा की दृष्टि से, उपचार की दृष्टि से और इसे नाम दे रहे हैं वसुधैव कुटुम्बकम?।

लेकिन तस्वीर का दूसरा रुख यह है कि भारत में आर्थिक असमानता का कोई अंत नहीं। विकास दर की गति संपन्नता के पक्ष में और विपन्नता से मुंह चुराती है। उम्मीद की जाती है कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, विश्व बैंक आदि भारत की बढ़ती हुई आर्थिक गति और मांग की क्षमता के कारण उसके महत्व को स्वीकार करेंगे। जहां तक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक का संबंध है, उसकी ओर से तो ऐसे देशों को उनकी प्रगति पर स्वीकृति की मुहर लगाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटरेस ने पिछले महीने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा बुलाई गई बैठक में चाहे आईएमएफ और विश्व बैंक की सीधी आलोचना नहीं की, लेकिन कहा है कि इन संस्थानों ने वैश्विक वृद्धि और उसके परिवर्तनों के साथ तालमेल नहीं रखा।

आज भी विश्व बैंक के पास 22 अरब डॉलर की चुकता पूंजी है। इसका इस्तेमाल विकास कार्यक्रमों के तहत कम ब्याज वाले कर्ज और अनुदान के रूप में देशों को दिया जाता है। इस समय विकासशील देश मुद्रास्फीति, बढ़ती ब्याज दरों और ऋण राहत में कमी से जूझ रहे हैं। भारत में ही 7 बार रैपो रेट बढ़ाया गया। एक ओर ऋण महंगा हो गया, दूसरी ओर बचत भी बढ़ी, लेकिन ऋण मांग के बराबर नहीं। जरूरी यह था कि गहरे वित्तीय संकट में आ रहे विकासशील देशों की विशेष मदद की जाती, सरकारों को ऋण पुनर्गठन या उसके भुगतान में समर्थ बनाया जाता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। चाहे पाकिस्तान को ले लें या श्रीलंका को, या अफ्रीका। इस समय यहां ऋण सेवा लागत अर्थात् ऋण पर ब्याज चुकाना सेहत की देखभाल से अधिक खर्च हो रहा है। बेहतर था कि आईएमएफ उन्हें ऋण पुनर्गठन या उसके भुगतान में मदद करता।

दरअसल, आईएमएफ के नियम धनी देशों का पक्ष लेते रहे। दुनिया के धनी देशों को गिनें तो उनकी आबादी 77.2 करोड़ बनती है। इन सात देशों को आईएमएफ की ओर से 280 अरब डॉलर की राशि मिली है जबकि उसके मुकाबले में अधिक आबादी वाले कम विकसित देश जिनमें भारत भी शामिल है, उनको केवल 8 अरब डॉलर मिले हैं। बेशक यह नियम-कायदे से हुआ है लेकिन यह नियम-कायदा वंचितों के लिए पक्षपातपूर्ण क्यों? तभी पिछले दिनों पाक, श्रीलंका और पेरू आदि देशों की अर्थव्यवस्था को डूबते देखा गया। गुटरेस भारत और तीसरी दुनिया के देशों के प्रति आईएमएफ और विश्व बैंक से निष्पक्ष सहायता चाहते हैं। क्या संयुक्त राष्ट्र विकासशील देशों के प्रति स्वयं एक यथार्थवादी रवैया अपनाएगा? तथ्य है कि जी-20 देशों में भी भारत को एक वर्ष की अध्यक्षता मिलने के बावजूद यूएन में स्थाई सदस्यता नहीं मिली। विडंबना है कि द्रुत विकास के नाम पर भारत में निजीकरण को तो बढ़ावा मिला लेकिन जिस मिश्रित अर्थव्यवस्था का सृजन करना था, वह क्यों अपने लक्ष्य से चूकता नजर आया? वैश्विक वित्तीय संस्थान संपन्न देशों के प्रति नर्म रवैया रखते हैं और तीसरी दुनिया या वंचित देशों की अवहेलना करते हैं। वक्त आ गया है कि इन अंतर्राष्ट्रीय मंचों की नीतियों का पुनर्गठन किया जाए और गरीब व अमीर के भेद को मिटाकर हर काम करने वाले को रोटी-रोजी कमाने का नैसर्गिक अधिकार दिया जाए। सरकार यह तो कह देती है कि लोग अब रोजगार मांगने वाले दफ्तरों के बाहर कम खड़े नजर आते हैं लेकिन यह नहीं बताती कि अब बड़ी आबादी अनुकम्पा दफ्तरों के बाहर कतार लगाती है क्योंकि केंद्र सरकार कह रही है कि हम 80 करोड़ लोगों को रियायती अनाज दे रहे हैं। बेहतर होता हम कहते कि इतने लोगों को देश में तत्काल रोजगार मिल रहा है।

शुगर और कैंसर की देसी दवा है

जामुन

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है, जो जिंदगीभर शरीर को खोखला बनाती रहती है। इसके कारण किडनी भी खराब हो सकती है और कैंसर का अंजाम तो सभी जानते हैं। इस घातक बीमारी के इलाज में लाखों में रुपए खर्च हो जाते हैं। मगर बरसात में इन दोनों बीमारियों की देसी दवा आसानी से मिल जाती है। मानसून शुरू हो चुका है और बाजार में ताजे-रसीले जामुन की भरमार है। ये काला आयुर्वेदिक फल बस कुछ ही दिन बाजार में मिलेगा। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. अबरार मुल्तानी जामुन को औषधीय गुणों का खजाना मानते हैं। इसका स्वाद कसैला, मीठा-खट्टा हो सकता है। यह कफ और पित्त को संतुलित करने के लिए भी उपयोग किया जाता है।

बारिश में नहीं होंगे बीमार

जामुन एक बरसाती फल है और आयुर्वेद मौसमी फलों का सेवन करने पर जोर देता है। इसमें शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो आपको इंफेक्शन से दूर रखते हैं।

फेफड़ों की सफाई

खांसी और बलगम की समस्या से गले को नुकसान पहुंच सकता है। यह आपके फेफड़ों के कमजोर होने की निशानी भी हो सकती है। जामुन के अंदर विटामिन सी और जिंक होता है, जो खांसी-बलगम को निकालकर फेफड़ों को साफ रखने में मदद करते हैं।

मजबूत दांत और मसूड़े

यह फल आपके दांत और मसूड़ों के लिए भी हेल्दी होता है। इसमें कैल्शियम, फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो दांतों की मजबूती बनाए रखने में मदद करते हैं और मसूड़ों का स्वास्थ्य भी सही रखते हैं।

हाई लड शुगर का रामबाण इलाज

जामुन से अतिरिक्त पेशाब आना या प्यास लगने जैसी दिक्कतों को शांत किया जा सकता है। यह एक लो ग्लाइसेमिक फूड है, जो ब्लड शुगर को कम करने में मदद करता है। आयुर्वेद में जामुन की गुठली का पाउडर डायबिटीज की रामबाण दवा माना गया है।

नहीं होगा आंत का कैंसर

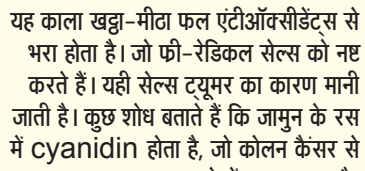

यह काला खट्टा-मीठा फल एंटीऑक्सीडेंट्स से भरा होता है। जो फ्री-रेडिकल सेल्स को नष्ट करते हैं। यही सेल्स ट्यूमर का कारण मानी जाती है। कुछ शोध बताते हैं कि जामुन के रस में cyanidin होता है, जो कोलन कैंसर से बचाने में मदद करता है।

हंसना मना है

एक बार पप्पू को अकबर के सैनिकों ने पकड़ लिया और दरबार में लेके गये... अकबर: कौन हो तुम? पप्पू- महाराज मैं पप्पू हूं... अकबर: इतनी रात को हमारे महल में क्या कर रहे थे?? पप्पू: कुछ..कुछ नहीं महाराज (घबराते हुए) अकबर- सैनिकों, इसे ले जाओ और बंदी बना दो... पप्पू: महाराज रहम करो, मुझे बंदी मत बनाओ मुझे बंदा ही रहने दो।

घर के बाहर पति काफी देर से इंतजार कर रहा था। पति: अरे और कितनी देर लगाओगी? पत्नी: चिल्ला क्यों रहे हो? आधे घंटे से कह रही हूं कि पांच मिनट में आ रही हूं। समझ में नहीं आता है क्या?

पप्पू शराब पीकर गाड़ी चला रहा था, अचानक गाड़ी एक खम्बे से टकरा गयी पुलिस: बाहर निकल साले, पप्पू: माफ कर दो दरोगा जी, पुलिस: साले दारू पी के गाड़ी चलाता है, मुंह खोल, पप्पू: अरे नहीं साब, पहले से खूब पी रखी है और कितना पिलाओगे।

मास्टर: पढाई शुरू कर दो, पेपर आने वाले हैं पप्पू: मैं तो खूब पढ़ाई करता हूं, कुछ भी पूछ लो, पिता (बेटे से): देखो बेटे, जुआ नहीं खेलते। यह ऐसी आदत है कि यदि इसमें आज जीतोगे तो कल हारोगे, परसों जीतोगे तो उससे अगले दिन हार जाओगे। बेटा: बस, पिताजी। मैं समझ गया, आगे से मैं एक दिन छोड़ कर खेला करूंगा

कहानी — कुशल-ककड़ी

एक विद्वान परिवार में सात भाई और एक बहन थी। परिवार का सबसे बड़ भाई बहुत ही शीलवान और गुणी था। उसने अपने काल की अनेक विद्याओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था। जब उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई तो उसने संयास वरण करने का निश्चय किया। भाई के आदर्शों पर चलने वाले उसके छोटे बहन-भाई भी उसका अनुकरण करना चाहते थे। उनके साथ ही उनकी सेवा-टहल के लिए उनका एक नौकर और एक नौकरानी भी हो ली। उन लोगों ने वन में एक जलाशय के किनारे अपनी अलग-अलग कुटिया बनाई। फिर उन्होंने यह व्रत लिया कि दिनभर में वे केवल एक बार ही भोजन करेंगे और प्रत्येक पाँचवें दिन बड़े भाई के उपदेश सुनने के लिए इकट्ठा होंगे। नौकरानी उनके लिए प्रतिदिन कमल की ककड़ी जलाशय से निकाल आठ बराबर भागों में बाँट, दो लकड़ियों को बजा उन सभी को यह सूचना दिया करती थी कि उनका भोजन तैयार है। वे भाई-बहन उम्र के क्रम से आते और अपना हिस्सा उठा पुन: अपनी कुटिया में लौट जाते। हाँ, प्रत्येक पाँचवें दिन वे सभी बड़े भाई का उपदेश को सुनने अवश्य इकट्ठे होते थे। उनकी कठिन साधना को देख, परीक्षण हेतु एक शातिर शरारती प्रतिष्ठित धूर्त एक दिन वहाँ पहुँचा। उस दिन नौकरानी ने जब लकड़ियाँ बजा कर कुटिया-वासियों को यह संदेश दिया कि उनका भोजन तैयार है, तो प्रतिष्ठित धूर्त ने अदृश्य रूप से बड़े भाई के हिस्से की कमल-ककड़ी चुरा ली। बड़े भाई ने, जो सबसे पहले वहाँ पहुँचता था, जब अपने हिस्से की ककड़ी गायब देखी तो वह चुपचाप ही अपनी कुटिया को लौट गया। फिर शेष भाई-बहन आते गये और अपने हिस्से का भोजन लेकर अपनी-अपनी कुटिया को लौट गये। इस प्रकार पाँच दिनों तक प्रतिष्ठित धूर्त ने वैसा ही किया जिससे बड़ा भाई बिना भोजन किये ही साधना करता रहा और उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया। पाँचवे दिन जब सारे भाई-बहन, नौकर-नौकरानी बड़े भाई के उपदेश सुनने इकट्ठे हुए तो वह बिल्कुल रुग्ण दीखा। उसके मुख से भी आवाज ठीक से नहीं निकल रही थी। कारण जानने के बाद सभी बड़े खिन्न हुए। फिर भी उन्होंने चोर की भर्त्सना नहीं की बल्कि उसकी मंगलकामना की। इसे सुनकर प्रतिष्ठित धूर्त लज्जित हुआ और उनसे क्षमा मांगी और बड़े भाई के शील-व्रत की विशेष प्रशंसा की।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन सामान्य रहने वाला है। कामकाज में सावधानी बरतने की जरूरत हैं। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। जरूरी कामों को आज दूसरों के भरोसे न छोड़े।

वृषभ

मन आज आध्यात्म में ज्यादा लगा रहेगा। आज आप घर पर ही परिवार वालों के साथ मांगलिक काम का आयोजन करेंगें। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें।

मिथुन

आज ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। बिजनेस में आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलने वाला है। आपकी कोशिशें अपनी छाप छोड़ी जाएंगी। इससे आर्थिक स्थिति काफी मजबूत बनेगी।

कर्क

कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन खुशियों भरा होगा। आज मानसिक रूप से प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। पूराने निवेश से आज आपको लाभ होगा।

सिंह

सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला हैं। आज लोगों का आपके उपर भरोसा बढ़ेगा। बिजनेस मामलों में आज आप सही ढंग से अपनी बात रख पाएंगे।

कन्या

कन्या राशि वालों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। रचनात्मक सोच आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आज आपकी रचनाओं की लोग तारीफ करेंगे।

तुला

तुला राशि वालों के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपकी कोशिश अपनी छाप छोड़ी जाएगी। लंबे समय से चल रही रुकावटें आज खत्म हो जाएंगी।

वृश्चिक

आज किस्मत साथ देगी। आप कुछ ऐसे काम करने के लिए तैयार रहिए, जिसे करने से आप खुद के बारे में अच्छा महसूस करें। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी।

धनु

आज आप जिन काम को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज्यादा फायदा देगी। सोशल मिडिया के जरिए आज आप समाजिक संगठन से जुड़ेगें जो की आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा।

मकर

भविष्य के लिए योजनाएं बनाने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। आज आपके सामने कुछ ऐसी परिस्थितियां सामने आएंगी, जिससे आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। पिछले किए गए प्रयासों का फल मिलने वाला है। आपकी भूमिका नेतृत्वकारी भी हो सकती है। कुछ नए मौके भी मिलेंगे जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे।

मीन

आज कोर्ट कचहरी से जुडें मामले थोंडे रूक सकते है और साथ ही किसी बडें वकिल की राय भी आपके लिए बहुत अच्छी साबित हो सकती है। आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे लिए शक्तिशाली किरदार निभाना आसान है : काजोल

काजोल बॉलीवुड में अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि वह मीडिया के सामने अपने बिंदास व्यवहार के लिए भी चर्चा में रहती हैं। दरअसल, काजोल हर सवाल का खुलकर जवाब देती हैं। जहां असल जिंदगी में बेहद चुलबुली हैं, वहीं पर्दे पर काजोल ने कई सीरियस कैरेक्टर्स निभाए हैं। इन दिनों काजोल लस्ट स्टोरीज 2 के लिए चर्चा में हैं, वहीं इसके साथ ही अभिनेत्री उनकी आगामी वेब सीरीज द ट्रायल के लिए भी सुर्खियों में हैं। ऐसे हाल ही में काजोल ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें अभिनेत्री ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली अपनी द ट्रायल में एक स्ट्रॉन्ग महिला के किरदार निभाने को लेकर बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि उनके लिए इस तरह के किरदार निभाना काफी स्वाभिक है। काजोल का कहना है कि कैमरे के सामने ऐसी महिलाओं के किरदार निभाना, जो कमजोर नहीं हैं, यह स्वाभाविक रूप से उनमें आता है। द ट्रायल में काजोल नोयोनिका सेनगुप्ता नामक एक गृहिणी की भूमिका निभा रही हैं, जिसके पति को घोटाले और सेक्स स्कैंडल की वजह से सलाखों के पीछे डाल दिया जाता है। अपनी जिंदगी में आए बदलावों के बाद उसे एक वकील के रूप में काम पर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ता है, लेकिन वह हार नहीं मानती है। काजोल ने इस किरदार को निभाने के पीछे अपने कारण के बारे में बात करते हुए कहा कि एक अभिनेता के रूप में उनकी पसंद उनके शक्तिशाली ऑफ स्क्रीन व्यक्तित्व को दर्शाती है। काजोल बोलीं, मेरे लिए एक कमजोर किरदार निभाने की तुलना में एक मजबूत, शक्तिशाली किरदार निभाना आसान है। मेरे लिए कमजोर होने के बजाय मजबूत होना स्वाभाविक है। नोयोनिका के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह एक मजबूत व्यक्ति है। लेकिन जब एक मजबूत व्यक्ति को ऐसी स्थिति में रखा जाता है, जहां वे कमजोर होते हैं, तो वह निभाना बहुत कठिन होता है। यही एक कारण है कि मैं उसके चरित्र को एक खिलाड़ी के रूप में प्यार करती हूं।

जॉन अब्राहम की फिल्म 'द डिप्लोमैट' 11 जनवरी को थिएटरों में मचाएगी धूम

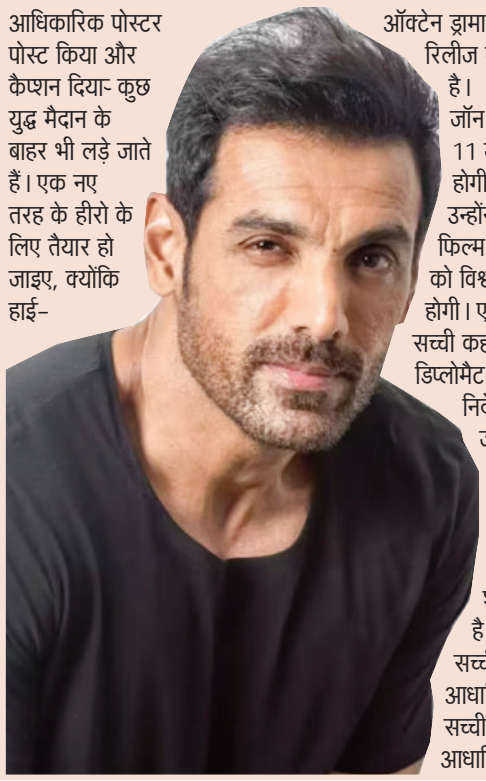

जॉन अब्राहम जियो-पॉलिटिकल ड्रामा द डिप्लोमैट की तैयारी कर रहे हैं। यह 11 जनवरी, 2024 को रिलीज होंगी।

जॉन अब्राहम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का आधिकारिक पोस्टर पोस्ट किया और कैप्शन दिया- कुछ युद्ध मैदान के बाहर भी लड़े जाते हैं। एक नए तरह के हीरो के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि हाई-ऑक्टेन ड्रामा द डिप्लोमैट को रिलीज की तारीख मिल गई है।

जॉन अब्राहम की फिल्म 11 जनवरी 2024 को होगी रिलीज

उन्होंने आगे उल्लेख किया, फिल्म 11 जनवरी 2024 को विश्व स्तर पर रिलीज होगी। एक अविश्वसनीय सच्ची कहानी पर आधारित, द डिप्लोमैट शिवम नायर द्वारा निर्देशित है, टीसीरीज, जेए एंटरटेनमेंट, वकाओ फिल्म्स, फॉर्च्यूनपिक्चर्स, सीता फिल्म्स द्वारा निर्मित है और रितेश शाह द्वारा लिखी गई है।

सच्ची कहानी पर आधारित है फिल्म

सच्ची कहानी पर आधारित, जॉन द डिप्लोमैट में एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म दर्शकों को तनाव और रहस्य से भरे हाई-ऑक्टेन ड्रामा की रोलर कोस्टर सवारी पर ले जाने के लिए तैयार है। एक्टर राष्ट्रवाद पर जोर दे रहे हैं, क्योंकि जॉन अब्राहम मद्रास कैफे, परमाणु, फोर्स, अटैक, सत्यमेव जयते, बाटला हाउस और हाल ही में पठान जैसी भू-राजनीतिक फिल्में कर रहे हैं।

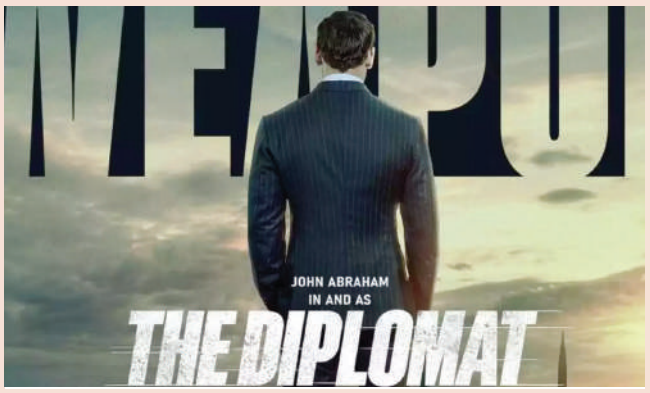

शिवम नायर ने डायरेक्ट की फिल्म

शिवम नायर ने डायरेक्ट की फिल्म द डिप्लोमैट का निर्देशन प्रशंसित निर्देशक शिवम नायर द्वारा किया गया है, जो नाम शबाना जैसी फिल्मों और स्पेशल ऑप्स और मुखबीर जैसे बहुप्रशंसित वेब-धारावाहिकों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। फिल्म की पटकथा रितेश शाह ने लिखी है। जॉन अब्राहम फिल्म तारिक और वेदा के साथ एक्शन थ्रिलर तेहरान में भी नजर आएंगे।

अभिमन्यु को श्रेया धनवंतरी संग हुआ इश्क

भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी इन दिनों काफी चर्चा में हैं। खबर है कि वह बहुत जल्द अगली फिल्म नौसीखिए में नजर आएंगे। अभिमन्यु ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें साझा कीं। जिसे उन्होंने कैप्शन दिया, यह एक पूर्ण साहसिक कार्य है! लायंसगेट इंडिया स्टूडियोज ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं के साथ बैक-टू-बैक फीचर फिल्मों की घोषणा की है। अभिमन्यु दासानी, अमोल पाराशर और श्रेया धनवंतरी अभिनीत नौसिखिए संतोष सिंह द्वारा निर्देशित और एलिप्सिस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित होगी। नई फिल्म की घोषणा से फैंस भले ही खुश हैं। लेकिन अभिमन्यु को लेकर खबर है कि वह सेट पर अपनी को-स्टार श्रेया धनवंतरी के काफी करीब आ चुके हैं। खबरों के अनुसार श्रेया और अभिमन्यु के बीच सेच पर ही अट्रैक्शन हुआ है और यह सब शायद भोपाल में एक महीने के लंबे शेड्यूस के बाद हुआ है। यह भी कहा जा रहा है कि श्रेया और अभिमन्यु एक दूसरे को लेकर काफी सीरियस हैं।

अभी तक दोनों ने अपने रिश्ते को आधिकारिक तो नहीं किया है , लेकिन हाल ही में दोनों ने नौसीखिए की शूटिंग खत्म की है।

अजब-गजब | जंगल में बना है जादुई पुल, दूर-दूर देखने आते हैं लोग!

चीन में पानी पर दौड़ती हैं कारें

विज्ञान और इंसान ने इतनी तरक्की कर ली है कि इंजीनियरिंग के जरिये ऐसे-ऐसे नमूने तैयार किए हैं, जिन्हें देखकर आंखों को यकीन ही नहीं होता। आपने अब तक कभी भी ट्रेन को घर के सामने की सड़क पर चलते या फिर कार को पानी पर दौड़ते हुए नहीं देखा होगा। आज हम आपको एक ऐसा वीडियो दिखाएंगे, जिसमें इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना दिख रहा है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दनादन कारें नदी में पानी के ऊपर से गुजर रही है। ये वीडियो कोई फेक नहीं है बल्कि सच है। चीन में चलने वाली गाड़ियां पानी पर बने एक पुल पर से होकर गुजरती हैं। ये पुल कोई ऊपर की ओर नहीं बनाया गया है बल्कि इसे पानी पर ही इस तरह से बनाया गया है कि गाड़ियां पानी की लहरें महसूस करते हुए निकल जाती हैं।

ये नज़ारा चीन के Shiziguan प्रांत में घाटी में बहती हुई नदी के पुल का है, जिसे अगर आप पहली बार देखेंगे तो आपको यही लगेगा कि ये पुल नदी पर तैरता दिख रहा है और गाड़ियां सरपट इस पर दौड़ती दिखती जाती हैं। इस पुल का कमाल देखने के लिए लोग दुनिया भर से यहां आते हैं और नदी में

तैरने वाले पुल पर गाड़ी चलाकर इसका आनंद लेते हैं। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हुबेई प्रांत के जुआन काउंटी में मौजूद शिजिगुआन फ्लोटिंग ब्रिज दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है और देखने वालों को लगता है कि नदी उनके साथ ही चल रही है।

इस पुल के अद्भुत वीडियो को इंस्टाग्राम पर wealth नाम के अकाउंट से बनाया गया है। इसे 3 दिन में ही करीब 3 लाख लोग लाइक कर चुके हैं और इस इंजीनियरिंग पर हैरानी भी जता रहे हैं। पुल एक घुमावदार नदी के पर बना है जो 500 मीटर लंबा और 4.5 मीटर चौड़ा है। जंगलों के बीच बनी इस नदी का ये ब्रिज पर उसमें उठने वाली लहरें बहुत ही खूबसूरत नज़ारा पेश करती हैं।

20 लाख रुपए किलो बिकती है यह जड़ी, 80 हजार लोगों की आजीविका की है मुख्य साधन

सीमांत जिले पिथौरागढ़ के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में एक खास जड़ी मिलती है जो कि दुनिया की सबसे महंगी और अनोखी बूटी है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में खास मांग होने के चलते लाखों में इसकी कीमत रहती है। इस बूटी को स्थानीय भाषा में कीड़ा जड़ी या यारसा गंबू कहा जाता है। इसे हिमालयन वियाग्रा भी कहते हैं। हिमालय में जब बर्फ पिघलने लगती है, तो उस समय इस बूटी को यहां के स्थानीय निवासी खोज कर लाते हैं, लेकिन इस बार मौसम परिवर्तन की मार इसके उत्पादन पर भी पड़ी है, जिससे यहां के स्थानीय लोगों की आजीविका पर खासा प्रभाव देखने को मिला है। देर से हुई बेमौसम बर्फबारी और अब बरसात के कारण इस बार उच्च हिमालयी क्षेत्रों के लोगों के हाथ निराशा ही लगी है। मुनस्यारी के क्षेत्र पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि धारचूला और मुनस्यारी के करीब 80,000 लोगों की आजीविका का मुख्य साधन यारसा गंबू का दोहन ही है। जिस समय बर्फ पिघलनी थी, उस समय बर्फबारी यहां हुई और अब बरसात शुरू होते ही लोग लौटने लगे हैं। ऐसे में इसके उत्पादन पर फर्क पड़ना लाजमी है। वहीं इसकी कीमत में भी इजाफा देखने को मिलेगा। पिथौरागढ़ जिले के धारचूला, मुनस्यारी के अलावा यारसा गंबू अन्य हिमालयी राज्यों में भी पाई जाती है। कीड़ा जड़ी का शक्तिवर्धक और कैंसर की दवाओं को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। कीड़ा जड़ी की मांग भारत के साथ-साथ चीन, सिंगापुर और हांगकांग में खूब है। वहां के व्यापारी इसे खरीदने के लिए नेपाल की राजधानी काठमांडू और कभी-कभी धारचूला तक आ पहुंचते हैं। एजेंट के माध्यम से विदेशी व्यापारियों को यह करीब 20 लाख रुपये प्रति किलो की दर से बिकती है। जानकारों के मुताबिक एशिया में हर साल कीड़ा जड़ी का करीब 150 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस साल इसके कम दोहन होने से लोगों के रोजगार पर काफी असर पड़ने वाला है। पिथौरागढ़ वन विभाग में प्रभागीय वनाधिकारी ज्वाला प्रसाद गौण ने इस बारे में कहा कि इस साल यारसा गंबू के कम उत्पादन की वजह मौसम परिवर्तन ही है। पिछले साल तक समय से हुई बर्फबारी की वजह से इसका ठीकठाक उत्पादन हुआ था।

भाजपा में जाने की अटकलों को जयंत चौधरी ने किया खारिज

» बोले- विपक्ष की अगली बैठक में जरूर होऊंगा शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले कई दिनों से राष्ट्रीय लोकदल प्रमुख जयंत चौधरी के भाजपा के साथ जाने और उनसे हाथ मिलाने की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई हैं। महाराष्ट्र में मची सियासी उठापटक के बाद इन खबरों को और भी हवा मिलने लगी थी। लेकिन अब लगातार फैल रही इन खबरों का खुद रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने खंडन किया है। भाजपा के साथ जाने की अटकलों को खारिज करते हुए जयंत चौधरी ने कहा कि उनका रुख बिल्कुल स्पष्ट है और वह विपक्षी दलों की अगली बैठक में जरूर शामिल होंगे। चौधरी ने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा से गठजोड़ की संभावना से इनकार किया है।

जब जयंत से पूछा गया कि केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर कह रहे हैं कि महाराष्ट्र में हुए सियासी घटनाक्रम के बाद वह (चौधरी) भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। इसके जवाब में जयंत ने कहा कि मेरा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। उनके (अठावले और राजभर) कहने से क्या होता है। रालोद अध्यक्ष ने कहा कि पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक और अगले दौर की जो बातचीत होगी मैं उसमें शामिल होऊंगा।

गौरतलब है कि चौधरी 23 जून को पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में निजी कारणों का हवाला देते हुए शामिल नहीं हुए थे।

आठवले और ओपी राजभर ने किया था रालोद के भाजपा में जाने का दावा

इससे पहले आठवले ने एक बयान में कहा कि महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में टूट के बाद वैसे ही हालात बिहार और उत्तर प्रदेश में भी पैदा हो सकते हैं और जयंत चौधरी भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि वह 23 जून को पटना में हुई विपक्षी दलों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। वहीं, ओमप्रकाश राजभर ने भी दावा किया था कि महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश में भी बड़ा फेरबदल होने वाला है तथा समाजवादी पार्टी और रालोद का गठबंधन टूटने की कगार पर है। महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम से जुड़े सवाल पर चौधरी ने कहा कि देखिए, यह कोई नई बात नहीं है। यह चीजें होती हैं। राजनीति में यह कोई पहली बार तो नहीं हो रहा है। जनता का फैसला अब 2024 में ही होगा। जनता किसी के हाथ की चाबी तो है नहीं। वह जनादेश देगी।

अनुराग ठाकुर का दावा

कई दल बनना चाहते हैं एनडीए का हिस्सा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में हुए बड़े सियासी उलटफेर के बाद महाराष्ट्र समेत पूरे देश की राजनीति में हलचल मच गई है। एनसीपी के दो फाड़ होने और अजित पवार समेत कई नेताओं के भाजपा-शिंदे सरकार में शामिल होने पर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि बहुत से राजनीतिक दल एनडीए से जुड़ना चाहते हैं।

ठाकुर ने कहा कि देश के विकास के लिए कई राजनीतिक दल एनडीए में शामिल होना चाहते हैं और एनसीपी ने इसकी पहल की है। मुझे विश्वास है कि एनसीपी के महाराष्ट्र कैबिनेट में शामिल होने से राज्य के विकास में मदद मिलेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, एनडीए में शामिल होने वाले ये राजनीतिक दल देश के विकास के लिए केंद्र में एक मजबूत और स्थिर सरकार प्रदान करेंगे।

कश्मीर के मुद्दे पर बोलत हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 75 साल बाद जम्मू-कश्मीर को उसका अधिकार मिला है। अनुच्छेद 370 के हटने से ही पता चलता है कि लोगों के बीच भाईचारा बढ़ा है और जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ी है। आंकड़ों से पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी की घटनाओं में भी भारी कमी आई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- देश हित में ले रहे ऐसा फैसला

उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर लगातार गैरहाजिर रहने वाली डॉक्टर बर्खास्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रयागराज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कौड़ीहार में कार्यरत डॉ. श्रद्धा यादव को बर्खास्त कर दिया गया। वह विभागीय अधिकारियों को बिना सूचना दिए लंबे समय से गैरहाजिर थीं।

उपमुख्यमंत्री पाठक ने बताया कि इससे पहले डॉ. श्रद्धा यादव बलरामपुर जिले की तुलसीपुर सीएचसी में तैनात थीं। वहां भी ड्यूटी में लापरवाही व अनुपस्थित की सूचना मिली थी। उन्हें जनपद बलरामपुर से हटाकर प्रयागराज के सीएचसी कौड़ीहार में तैनात किया गया था। इसके बाद भी वह अस्पताल नहीं आती थीं। उन्हें लिखित और मौखिक चेतावनी दी गई। गैरहाजिर महिला डॉक्टर को तमाम मौके दिए गए, लेकिन डॉ. श्रद्धा ने ड्यूटी कर्तव्यों का पालन नहीं किया। ऐसे में उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का आदेश दिया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने उन्हें बर्खास्त कर दिया है।

पूरे देश में आया मानसून, रात से लखनऊ के लोगों को भिगा रही बारिश

» यूपी-मध्यप्रदेश समेत 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून अब पूरे देश में अपने पैर पसार चुका है। अगले चार दिन के लिए उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश समेत 20 राज्यों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी कर दिया गया है। राजधानी लखनऊ में जहां कल आधी रात से लेकर लगातार बारिश जारी है। तो वहीं आज सुबह भी शहर के कुछ इलाकों में बारिश ने लोगों को तर किया है।

हालांकि, आईएमडी के मुताबिक अब तक देश में सामान्य से 8 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य से 40 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। दक्षिण भारत में सामान्य से 43 प्रतिशत कम हुई। मध्य भारत में 4प्रतिशत कम बारिश हुई। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 16 प्रतिशत कम बारिश हुई।

फोटो: सुमित कुमार

बिहार में बिजली गिरने से 3 की मौत

उधर, बिहार में नेपाल से आने वाले पानी के चलते बाढ़ का खतरा भी मंडरा रहा है। एक ओर बिहार में जहां बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं उत्तर प्रदेश में झमाझम बारिश के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कुशीनगर दौरा रद्द हो गया है। पीएम 7 जुलाई को यहां आने वाले थे।

इन राज्यों में होगी भारी बारिश

जिन राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है उनमें उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, गोवा, तमिलनाडु, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं पश्चिम बंगाल, ओडिशा, ईस्ट राजस्थान, दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश में बिजली चमकने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

एलजी और दिल्ली सरकार में फिर बढ़ी रार

उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के 400 कर्मियों को एक झटके में पद से हटाया

» कहा- गैर पारदर्शी तरीके से की गई थी नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में एलजी और राज्य सरकार के बीच सास-बहू का झगड़ा लगातार जारी है। इस बीच उपराज्यपाल ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली सरकार में फेलो, एसोसिएट फेलो, सलाहकार और उपाध्यक्ष के रूप में काम कर रहे करीब 400 कर्मियों की सेवाओं को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है।

दिल्ली सरकार ने इन्हें अपने विभिन्न विभागों, एजेंसियों में सलाहकार, विशेषज्ञ, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी और परामर्शदाता के रूप में नियुक्त किया था। कहा गया है कि इन्हें गैर-पारदर्शी तरीके से और सक्षम प्राधिकारी की अनिवार्य मंजूरी के बिना नियुक्ति दी गई थी। इन कर्मियों की नियुक्तियों में डीओपीटी द्वारा निर्धारित एससी, एसटी, ओबीसी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य आरक्षण नीति का भी पालन नहीं किया गया। जांच में सेवा विभाग ने पाया कि ऐसे कई कर्मी पदों के लिए जारी विज्ञापनों में निर्धारित पात्रता मानदंड (शैक्षिक योग्यता/कार्य अनुभव) को पूरा नहीं करते हैं। संबंधित प्रशासनिक विभागों ने भी इन कर्मियों द्वारा प्रस्तुत कार्य अनुभव प्रमाणपत्रों की सत्यता को सत्यापित नहीं किया, जो कई मामलों में हेराफेरी तक हुई है। इस जांच के बाद सेवा विभाग ने इन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उपराज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि यदि कोई प्रशासनिक विभाग इनमें से किसी की सेवा को जारी रखना चाहता है तो नियम के तहत प्रस्ताव भेजा जाए।

उपराज्यपाल का फैसला गैरकानूनी : दिल्ली सरकार

400 कर्मियों को पदों से हटाने पर दिल्ली सरकार ने इसे गैरकानूनी करार दिया है। साथ ही कहा है कि इसे कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। दिल्ली सरकार के सूत्रों का कहना है कि उपराज्यपाल के पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। वह गैरकानूनी और संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनका उद्देश्य दिल्ली सरकार को पंगु बनाना है। फैसला लेने से पहले एक भी कारण बताओ नोटिस जारी नहीं किया गया, किसी भी स्तर पर कोई स्पष्टीकरण या स्पष्टीकरण नहीं मांगा गया। इस असंवैधानिक फैसले को अदालत में चुनौती दी जाएगी।

गोरखपुर-लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल सफल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का मंगलवार को गोरखपुर से लखनऊ रूट पर पहला ट्रायल रन हुआ। देश की पहली स्वदेशी सेमी हाइस्पीड ट्रेन गोरखपुर से सुबह 6:05 बजे चली। इसे 10:20 बजे लखनऊ पहुंचना था, लेकिन 17 मिनट पहले 10:03 बजे चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंच गई। वंदे भारत ने गोरखपुर से लखनऊ का 296 किमी का सफर 3 घंटे 58 मिनट में पूरा किया। ट्रेन की अधिकतम स्पीड 110 किलोमीटर प्रति घंटे रही।

रेलवे चार्ट में सप्त क्रांति एक्सप्रेस का गोरखपुर से लखनऊ पहुंचने का तय समय 4:55 घंटा है। वहीं, गोरखधाम एक्सप्रेस 4:50 घंटे, वैशाली एक्सप्रेस 05:05 घंटे और हमसफर का 5:15 घंटे में पहुंचना निर्धारित है। स्पीड ट्रायल के बाद रेलवे वंदे भारत एक्सप्रेस का टाइम टेबल और किराया जारी करेगा।

आरपीएफ के अतिरिक्त जवान तैनात

वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा के लिए आरपीएफ के अतिरिक्त जवानों की तैनाती प्लेटफॉर्म पर की गई। वहीं रेलवे कंट्रोल रूम में एक वरिष्ठ अधिकारी को भी वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन के लिए तैनात किया जाएगा। हालांकि यह लखनऊ जंक्शन से चलेगी या गोमती नगर स्टेशन से, यह अभी तय नहीं हो पाया है।

एक बार में 456 यात्री कर सकेंगे सफर

ट्रेन के डिब्बे चेन्नई में तैयार हुए हैं। सीट के नीचे चार्जिंग पॉइंट दिए गए हैं। आठ कोच की ट्रेन में अधिकतम 456 यात्री सफर कर सकते हैं। यात्री की सुविधा के लिए फर्स्ट ऐड बॉक्स रखा गया है। ट्रेन में कू मेंबर की कोच के पीछे खाना गर्म करने और पानी ठंडा रखने के लिए मशीन लगी है। अटेंडेंट की मदद से यात्रियों को गर्म खाना और ठंडा पानी मिल सकेगा।

बारिश के चलते धंसी सड़क में घुसी कार, बाल-बाल बचे गाड़ी सवार

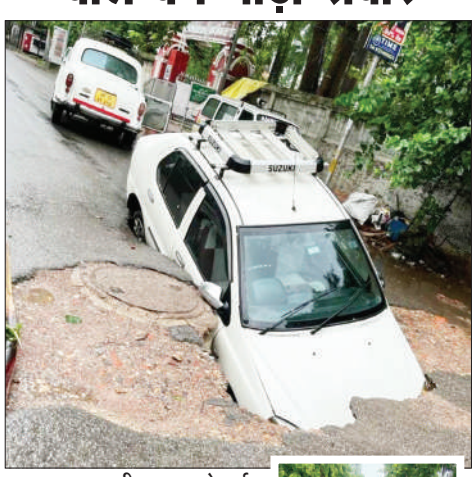

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब सीएम की कुर्सी संभाली थी, तो ये फरमान जारी किया था कि वो प्रदेश में गड्ढा मुक्त सड़कें बनाएंगे और पूरे प्रदेश को ही गड्ढा मुक्त बना देंगे। इसके लिए कई तारीखों की डेडलाइन भी जारी की गई, लेकिन लगता है मुख्यमंत्री साहेब का ये फरमान सिर्फ बयानों तक ही सिमट कर रह गया है।

क्योंकि प्रदेश तो दूर राजधानी लखनऊ की सड़कों की जो हालत है, वो सीएम के इस आदेश की धज्जियां उड़ा रही है। एक तो वैसे ही राजधानी की कई सड़कें गड्ढों के बीच बनी हुई हैं, वहीं अगर बारिश हो जाए तो रातों-रात बीच सड़क पर ऐसा गड्ढा बन जाता है, जो सीधे बड़े-बड़े हादसों को दावत देता है। ताजा मामला बलरामपुर अस्पताल के पास का है। जहां सड़क धसने से एक हादसा हो गया। जहां एक कार इस गड्ढे में घुस गई।

डीईआरसी अध्यक्ष नियुक्ति: सुप्रीम कोर्ट की एलजी और केंद्र को नोटिस

दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेट्री कमीशन के अध्यक्ष की नियुक्ति पर 11 जुलाई तक रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार और एलजी केंद्र सरकार के मामले में एक बार फिर उपराज्यपाल और केंद्र की मोदी सरकार को झटका दिया है। तो वहीं आम आदमी पार्टी की सरकार को थोड़ी सी राहत दी है। दरअसल, दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेट्री कमीशन (डीईआरसी) चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर विवाद लगातार जारी है। अब इस मामले में आज सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की बेंच ने फिलहाल दिल्ली में डीईआरसी अध्यक्ष के शपथ पर रोक को जारी रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और दिल्ली के एलजी को नोटिस जारी किया है, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। यानी तब तक शपथ ग्रहण पर रोक जारी रहेगी। इससे पहले दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने 7 जुलाई को होने जा रहे शपथ ग्रहण कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की थी।

एलजी दफ्तर की तरफ से दिया गया जवाब

तुषार मेहता ने कहा कि जब सरकार के पूछने पर जस्टिस उमेश कुमार ने 26 जून को शपथ ग्रहण के लिए सहमति दे दी, तब इन्होंने याचिका दाखिल कर दी। एक पूर्व जज के साथ ऐसा खेल अशोभनीय है। सॉलिसीटर जनरल ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र के अध्यादेश को चुनौती देना चाहती है। उससे पहले उसके एक हिस्से (सेक्शन 45-घ) के आधार पर जारी आदेश के अमल पर रोक हासिल कर तैयारी कर रही है।

मुफ्त बिजली बंद करने की साजिश

सिंघवी ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। उसने लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी है। अपना डीईआरसी अध्यक्ष बना कर एलजी मुफ्त बिजली बंद करना चाहते हैं। एलजी कार्यालय के लिए पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने इसे आधारहीन बयान बताते हुए विरोध किया। मेहता ने कहा कि जस्टिस उमेश कुमार की नियुक्ति के मामले में दिल्ली सरकार को पूरी जानकारी थी।

दिल्ली सरकार ने नियुक्ति को बताया सरकारी कामकाज में दखल

इस मामले में दिल्ली सरकार की दलील है कि एलजी ने अपनी तरफ से जस्टिस उमेश कुमार को इस पद पर नियुक्त कर दिया है। यह नियुक्ति लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के कामकाज में सीधा दखल है। दिल्ली सरकार के लिए पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जनवरी में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जज राजीव कुमार श्रीवास्तव को इस पद पर नियुक्त करने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा था। लेकिन उन्होंने नियुक्ति का आदेश जारी नहीं किया। 15 जून को जस्टिस श्रीवास्तव ने इस पद के लिए असमर्थता जता दी। इसके बाद एलजी ने जस्टिस उमेश कुमार की नियुक्ति का गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। दिल्ली सरकार ने कहा कि केंद्र ने 19 मई को अध्यादेश लाकर जीएनसीटीडी एक्ट में बदलाव कर दिया है। बदले हुए एक्ट की धारा 45-डी के तहत यह नियुक्ति की गई है। सिंघवी की मांग थी कि कोर्ट इस नियुक्ति की वैधानिकता पर सुनवाई करे। तब तक 7 जुलाई को होने जा रहे डीईआरसी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण कार्यक्रम पर रोक लगा दी जाए।

होटल में घुसा बेकाबू ट्रक, 10 को कुचला

» महाराष्ट्र में ब्रेक फेल होने के चलते हुआ भीषण हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धुले। महाराष्ट्र के धुले में आज सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया। मुंबई-आगरा हाईवे पर ब्रेक फेल होने की वजह से एक कंटेनर होटल में जा घुसा। हादसे में 38 लोग कंटेनर की चपेट में आ गए। इस हादसे में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 28 लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना शिरपुर तालुका के पलासनेर गांव में दोपहर करीब 12 बजे के आस-पास की बताई जा रही है। मरने वालों की संख्या और भी बढ़ सकती है।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई-आगरा हाइवे पर पलासनेर गांव के पास इस कंटेनर ने बस स्टैंड के पास खड़ी तीन गाड़ियों को टक्कर मारी। इसके बाद वह होटल में जा घुसा।

घटना का जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, उसमें देखा जा सकता है कि कंटेनर मध्य प्रदेश से धुले की तरफ जा रहा था। तभी अनियंत्रित होकर उसने तीन गाड़ियों को टक्कर मारी फिर बस स्टैंड के पास होटल में जा घुसा। घटना के दौरान का वीडियो डरावना है।

कार में भी मारी टक्कर, 5 फीट हवा में उछली

वीडियो में देखा जा सकता है कि हादसे से पहले मुंबई-आगरा हाईवे पर दूसरा कंटेनर बाएं दिशा में धीमी रफ्तार में आगे बढ़ रहा है। सड़क के किनारे एक और ट्रक खड़ा है। एक कार इन दोनों को क्रॉस करने ही वाली थी कि बेकाबू कंटेनर पीछे से कार को टक्कर मारता है। फिर होटल में घुसता है। पहले तो कार के चिथड़े उड़ जाते हैं और वह सड़क पर 200 मीटर घिसटती हुई सामने एक डिवाइडर से टकराकर करीब 5 फीट तक हवा में उछल जाती है। इसके बाद ट्रक सड़क किनारे लगे एक होटल में जाकर लोगों को कुचलते हुए पलट जाता है। घटना के दौरान होटल में भीड़ थी। इस वजह से जान-माल का ज्यादा नुकसान हुआ है।

60-80 किमी थी गिट्टी लदे ट्रक की रफ्तार

हादसे के बाद सड़क के किनारे मृतकों और घायलों की कतार लग गई। कई लोगों का शरीर का हिस्सा अलग-थलग पड़ा हुआ था। घायल घंटों सड़क पर तड़पते नजर आए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना की दौरान कंटेनर की रफ्तार करीब 60-80 किलोमीटर प्रति घंटे रही होगी। कंटेनर पर गिट्टी लदा हुआ था। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद घायलों को अस्पताल भेजा गया और कंटेनर को क्रेन के जरिए हटाया गया। हादसे में होटल पूरी तरह तबाह हो गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।